न्यूज डायरी

पाकिस्तान को सबक सिखाने की तैयारी में अमेरिका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। तालिबान की खुले आम मदद करने वाला पाकिस्तान अब अमेरिका के निशाने पर है। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि पाकिस्तान की पिछले बीस साल के दौरान की भूमिका की जांच की जाएगी। इसके साथ ही गैर नाटो सहयोगी के रूप में पाकिस्तान को मिला दर्जा खत्म करने की मांग उठी है। 9/11 हमले के बाद से अब तक पाकिस्तान ने जिस तरह से तालिबान को खड़ा करने में संरक्षण, मदद और अपनी जमीन उपलब्ध कराई है। इसको लेकर विदेश मंत्री को अमेरिकी सांसदों की नाराजगी का शिकार होना पड़ा है। पाक की भूमिका को लेकर भड़के सांसदों को बाइडन प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि इस देश की दोहरी भूमिका की जांच की जाएगी और जरूरत पड़ी तो कार्रवाई करेंगे।

चीन ने अमेरिका की नाक के नीचे भेजे किलर मिसाइलों से लैस युद्धपोत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। साउथ चाइना सी में चीनी नौसेना को चुनौती दे रही अमेरिकी नौसेना पर ड्रैगन ने पलटवार किया है। चीन ने अमेरिका की नाक के नीचे अलास्का के एक द्वीप के पास 4 घातक युद्धपोत भेजे। यही नहीं ये सभी चीनी युद्धपोत अमेरिका के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन में मौजूद थे। खुद अमेरिका के तटरक्षक बल ने इसकी तस्वीरें जारी करके पुष्टि की है। बताया जा रहा है कि चीनी नौसेना के अलास्ध्का के पास जाने की यह घटना अगस्त महीने की है लेकिन अब इसका खुलासा हुआ है। अमेरिकी तटरक्षक बल ने यह खुलासा ऐसे समय पर किया है जब चीन के सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स के एडिटर हू शिजिन ने दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी नौसेना की गतिविधियों की आलोचना की थी। साथ ही चेतावनी दी थी कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी भी इसी तरह की गतिविधियां अमेरिका के खिलाफ अंजाम दे सकती है। बताया जा रहा है कि चीनी युद्धपोतों की यह तस्वीरें 29 अगस्त और 30 अगस्त को ली गई थीं।

अमेरिका में निकोलस तूफान से भारी बारिश और बाढ़ का खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ह्यूस्टन। अमेरिका में निकोलस तूफान ने टेक्सास और लुसियाना में मजबूती के साथ दस्तक दे दी है। यहां भारी बारिश शुरू होने के बाद तटीय क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। तेज हवाओं के साथ समुद्र में तूफानी लहरें चल रही हैं। राष्ट्रीय मौसम विभाग ने निकोलस तूफान से टेक्सास से लेकर लुसियाना और दक्षिण मिसीसिपी तक 10 से लेकर 20 इंच तक बारिश की आशंका जताई है। विभाग ने बाढ़ की चेतावनी भी जारी की है।
नेशनल हरीकेन सेंटर के अनुसार निकोलस तूफान ने माटागार्डा में स्थानीय समय के अनुसार रात 1 बजे दस्तक दी। तूफान के कारण 120 किमी. प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं चलना शुरू हो गया। टेक्सास में तूफान के दस्तक देने के एक दिन बाद यह लुसियाना पहुंच जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने लुसियाना में इमरजेंसी घोषित कर दी है।

काम पर लौटने से महिलाओं को जबरन रोक रहा तालिबान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। आफगानिस्तान की पूर्व सरकार में नौकरी कर रही महिलाओं को अब तालिबान काम पर लौटने से जबरन रोक रहा है। अब महिलाएं यहां सरकार से वापसी का अधिकार मांग रही हैं। भारत से विधि स्नातक शगुफा नाजिबी ने बताया कि वह दस साल से अफगान संसद में काम कर रही हैं। जब वह काम पर लौटीं तो उन्हें डरा–धमकाकर वापस लौटा दिया गया। अफगान सरकार के आंकड़ों के मुताबिक पांच हजार से ज्यादा महिलाएं तो मिलिट्री सेक्टर में ही काम करती हैं। कामकाजी महिलाओं को अब घर में ही रहने का फरमान दिया जा रहा है। तालिबान ने केवल महिलाओं को स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में काम पर लौटने की अनुमति दी है। वहीं, कबुल की पूर्व पुलिस अधिकारी हनीफा हमदार का कहना है कि आफगानिस्तान में तालिबान की सरकार आने के बाद से वह अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। उन्होंने कहा, मैं एक विधवा हूं।

कश्मीर की तरह जूनागढ़ की आजादी के दूत बनें इमरान खान

मंसूबे

जूनागढ़ के नवाब ने इमरान खान से अपील की है कि वह कश्मीर की तरह से जूनागढ़ के दूत बनें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। पंजाब और कश्मीर में अलगाववाद को भड़काने में मुंह की खाने के बाद अब पाकिस्तान की बदनाम खुफिया एजेंसी आईएसआई ने गुजरात के जूनागढ़ का राग छेड़ा है। आईएसआई के पिट्ठू और जूनागढ़ के कथित नवाब मोहम्मद जहांगीर खांजी ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से अपील की है कि वह कश्मीर की तरह से जूनागढ़ के भी दूत बनें। नवाब ने कहा कि इमरान खान सभी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के कब्जे से जूनागढ़ की कथित आजादी का मुद्दा उठाएं।

रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के मुताबिक नवाब मोहम्मद जहांगीर ने एक बयान जारी करके कहा है कि भारत और पाकिस्तान को इस मुद्दे पर चर्चा करनी चाहिए और बातचीत के जरिए इसका हल निकालना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सरकार को जूनागढ़ के मुद्दे को उतनी ही सक्रियता से उठाना चाहिए

जितना कि वह कश्मीर को उठा रही है। साथ ही इसके हल के लिए काम करना चाहिए।

पाकिस्तान ने जूनागढ़ को नक्शे में अपना दिखायाः नवाब ने कहा कि जूनागढ़ पाकिस्तान है यह जूनागढ़ राज्ध्य का न केवल नारा है, बल्कि सपना है जिसे हमारे पूर्वज मोहम्ध्मद अली जिन्ध्ना और जूनागढ़ के नवाब रहे नवाब महाबत खान ने देखा था। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि पाकिस्तान भारत के जूनागढ़ पर कथित कब्जे के बारे में गंभीरतापूर्वक आवाज उठाए। यह कब्जा अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। इससे पहले पाकिस्तान ने अपना नया राजनीतिक नक्शा जारी किया था। इसके जरिए पाकिस्तान ने कोशिश की थी कि भारत के साथ जिन क्षेत्रों को लेकर उसका विवाद है, उन पर अपना दावा ठोक सके।

इस नक्शे में पाकिस्तान ने कश्मीर, सियाचिन पर खुलकर दावा किया लेकिन हैरान करने वाली बात यह रही कि इमरान सरकार ने कश्मीर ही नहीं गुजरात के हिस्सों को भी अपना बताया है। यहां तक कि जूनागढ़ और मनवादर, जहां 1948 में जनमतसंग्रह के बाद भारत में विलय कर लिया गया था, उन तक को पाकिस्तान के नक्शे में अपना दिखाया गया है। माना जा रहा है कि समुद्र से जुड़े इन क्षेत्रों की संपदाओं पर पाकिस्तान की नजर है, इसलिए उसने ऐसा कदम उठाया है।

सर क्रीक पर खुलकर ठोका दावा
पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने उस समय कहा था कि सर क्रीक में हिंदुस्तान जो दावा करता था, नक्शे में उसे खारिज कर दिया है। पाक का दावा है कि उसकी सीमा पूर्वी तट की ओर है जबकि भारत का दावा है कि यह पश्चिम की ओर है। पाकिस्तान का कहना है कि यहां भारत पाकिस्तान के सैकड़ों किलोमीटर के र्म्‍ पर कब्जा करना चाहता है। 70 साल से सर क्रीक को लेकर विवाद जारी है। कच्छ के रण की दलदल के क्षेत्र में सर क्रीक 96 किमी चौड़ा पानी से जुड़ा मुद्दा है। पहले इसे बाण–गंगा के नाम से जाना जाता था।

तालिबानी बुर्के से बाहर आकर अफगान महिलाओं ने छेड़ी मुहिम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। जब जुल्म अपनी हदें पार कर देता है तो विद्रोह जन्म लेता है और डर खत्म हो जाता है, इतिहास में हमें ऐसे कई उदाहरण मिल जाएंगे जो इस कथन पुष्टि करते हैं चाहें वह गद्दाफी हो या सद्दाम हुसैन। ऐसा ही कुछ अफगानिस्तान में भी देखने को मिल रहा है, जहां महिलाओं ने तालिबान के नए ड्रेस कोड के खिलाफ मुहिम शुरू कर दी है। अफगान महिलाएं स्कूली छात्राओं के लिए तालिबानी परिधान की निंदा कर रही हैं और इसमें उनका सबसे बड़ा हथियार बना है इंटरनेट। ये महिलाएं कलरफुल ट्रेडिशनल वियर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं और #DoNotTouchMy Clothes] #Afghanistan Culture जैसे हैशटैग इस्तेमाल कर रही हैं। इस कैंपेन की शुरुआत अफगानिस्तान में अमेरिकन यूनिवर्सिटी की पूर्व प्रोफेसर बहार जलाली ने की है। अब उनके समर्थन में सैकड़ों अफगान महिलाएं इससे जुड़ रही हैं और तालिबान कानूनों का विरोध करते हुए अपनी तस्वीरें और पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। तालिबान के नए उच्च शिक्षा मंत्री ने रविवार को घोषणा की थी कि महिलाओं को अफगानिस्तान में विश्वविद्यालयों में जाने की अनुमति दी जाएगी।

रूस में आग बरसा रही भारतीय सेना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रूस। रूस के नोवगोरोड इलाके में भारत समेत 17 देशों की सेनाएं बमों की बारिश करने में जुटी हुई हैं। हर तरफ बस बारूद ही बारूद नजर आ रहा है। हालत यह है कि धरती कांप जा रही और दुश्मन के कलेजे पर दहशत साफ देखी जा रही है। दरअसल, रूस में इन दिनों जपड़ 2021 युद्धाभ्यास चल रहा है जिसमें इन 17 देशों की सेनाएं अपने दमखम का प्रदर्शन कर रही हैं। एक तरफ रूसी सेना अपने अत्याधुनिक हथियारों से दुनिया के सामने ताकत का प्रदर्शन कर रही है, वहीं भारतीय सेना के नगा रेजिमेंट के जवान दुश्मन को धूल चटाने के लिए एक से बढ़कर करतब का प्रदर्शन कर रहे हैं।

एवेंजर्स की तरह दिखेगी ब्रिटिश नौसेना अंतरिक्ष से पानी में दुश्मन को तबाह करेंगे ड्रोन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लंदन। भविष्य में ब्रिटेन की सेना कैसे दिखेगी? इस सवाल के जवाब में कुछ तस्वीरें सामने आई हैं जो यह दिखाती हैं कि भविष्य में रॉयल नेवी ।अमदहमते की सेना जैसा दिखेगी। एवेंजर्स की सेना, उनके हथियार और उपकरण इंसानों की कल्पना का हिस्सा हैं लेकिन ब्रिटिश नेवी इस कल्पना को सच कर सकती हैं। युवा इंजीनियरों ने चार संभावित वाहनों के लिए विस्तृत प्रस्ताव जारी किए हैं। इसमें एक stealth submarine carrier और एक विशालकाय ड्रोन स्टेशन शामिल है जो हीलियम के गुब्बारे से जुड़ा होगा और समताप मंडल में स्थित होगा।

अंतरिक्ष से पानी में दुश्मन पर हमला करने में सक्षम होगा ड्रोन

इसके पीछे आइडिया यह है कि पारंपरिक हवाई जहाजों के आकार के अटैक ड्रोन को हमले की सूचना पर तत्काल स्टेशन से लॉन्च किया जा सकेगा। ताकि यह आसमान से नीचे की ओर शूटिंग कर सकें और पानी के नीचे जाकर दुश्मन के जहाज से टकरा सकें। अभी तक रॉयल नेवी ने इन नए प्रोजेक्ट्स के निर्माण में आने वाली लागत को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। यूके नेवल इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी की चुनौती के बाद चार इंजीनियरों ने ये प्रस्ताव तैयार किए हैं।

50 साल बाद की तैयारीः रॉयल नेवी को एक ऑटोनॉमस फ्लीट के लिए विचारों को विकसित करने में मदद करने के उद्देश्य से यह प्रस्ताव तैयार किए गए हैं जो दिखाते हैं कि 50 साल बाद सेना कैसे काम करेगी। इनमें से कई हथियार एवेंजर्स सीरीज की फिल्मों की तरह दिखते हैं। एवेंजर्स सीरीज की फिल्में पूरी दुनिया में मशहूर हैं और इसके किरदारों के करोड़ों फैन्स हैं। रॉयल नेवी के लिए सेकेंड सी लॉर्ड, वाइस एडमिरल निक हाइन ने कहा कि अगर भविष्य में हम खुद को बड़े पैमाने पर पारंपरिक रूप से लड़ाई में कमजोर पाते हैं तो हमें इसके लिए अलग तरह से सोचना होगा।

इस देश में कोरोना का सिर्फ एक केस आने पर लगा था लाकडाउन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कैनबरा। कोरोना वायरस संक्रमण का खतरा अभी तक दुनिया से टला नहीं है। भारत जैसे देशों में कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार पर लगाम जरूर लगी है, लेकिन अमेरिका जैसे देशों में हालात ठीक नहीं हैं। अमेरिका के साथ ही कई यूरोपीय देशों में भी कोरोना वायरस चिंता का कारण बना हुआ है। कई देशों ने इस महामारी पर काबू पाने के लिए वैक्सीन के साथ–साथ लाकडाउन का विकल्ध्प भी अपनाया है। ऑस्ध्ट्रेलिया ऐसे ही देशों की सूची में शामिल हैं, जहां कोरोना वायरस को काबू करने के लिए लाकडाउन लगाया गया है।
ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा में 12 अगस्त को कोरोना वायरस के डेल्टा वेरिएंट का एक मामला सामने आया था। सरकार ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया और राजधानी में लाकडाउन लगाने का निर्णय लिया गया। ऑस्ट्रेलिया शायद पहला ऐसा देश होगा, जहां सिर्फ एक कोरोना केस आने के बाद लाकडाउन लगाने का निर्णय लिया गया। अब 22 मामले आने पर लाकडाउन को 15 अक्टूबर तक बढ़ा दिया गया है।